कैंपबेल और होप का पलटवार

दिल्ली टेस्ट में वेस्टइंडीज 173/2 पर वापसी

नई दिल्ली 12 अक्टूबर. भारत और वेस्टइंडीज के बीच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में जारी दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच के तीसरे दिन वेस्टइंडीज की टीम ने फॉलोऑन खेलते हुए शानदार वापसी की है। दिन का खेल खत्म होने तक मेहमान टीम ने अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 173 रन बना लिए हैं। वह अब भी भारत की 270 रनों की ब?त से 97 रन पीछे है।

1-0 से सीरीज में पीछे चल रही वेस्टइंडीज की दूसरी पारी की शुरुआत खराब रही। तेजनारायण चंद्रपॉल (10) मोहम्मद सिराज का शिकार बने, जबकि एलिक अथानाज (7) को वॉशिंगटन सुंदर ने बोल्ड कर दिया। टीम का स्कोर 35 रन पर दो विकेट हो चुका था।

▶ कैंपबेल 87 और शाई होप 66 रन पर नाबाद

संकट के इस क्षण में ओपनर जॉन कैंपबेल और शाई होप ने मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना किया और तीसरे विकेट के लिए अब तक 138 रनों की अटूट साझेदारी कर डाली।

स्टंप्स के समय जॉन कैंपबेल 145 गेंदों पर नौ चौके और दो छक्कों की मदद से 87 रन बनाकर नाबाद थे, जबकि शाई होप 103 गेंदों पर आठ चौकों और दो छक्कों की मदद से 66 रन बनाकर क्रीज

चौथे दिन पर टिकीं निगाहें

भारतीय टीम को यह मुकाबला जीतने के लिए आठ विकेट की दरकार है। चौथे दिन के शुरुआती सत्र में कैंपबेल और होप की साझेदारी को तो?ना भारत के लिए सबसे ब?ी चुनौती होगी। यदि यह साझेदारी टिकी रहती है, तो वेस्टइंडीज भारत को दोबारा बल्लेबाजी के लिए बुलाकर मैच को ड्रा की ओर ले जा सकती है, अन्यथा भारत के लिए जीत की राह आसान हो जाएगी।

एलिसा हीली की पारी भारतीय महिला टीम पर पड़ी भारी

विश्व कप ऑस्ट्रेलिया महिला टीम एक दिवसीय इतिहास का सबसे सफल रन चेज कर अंकतालिका में पहले स्थान पर पहुंची

विशाखापत्तनम 12 अक्टूबर. ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को भारत को महिला विश्व कप के 13वें मुकाबले में तीन विकेट से हरा दिया. भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल के बीच हुई 155 रन की साझेदारी की बदौलत 48.5 ओवर में सभी विकेट खोकर 330 रन बनाए। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने सलामी बल्लेबाज एलिसा हीली की शतकीय पारी की बदौलत 49 ओवर में 7 विकेट पर 331 रन बनाकर मैच अपने नाम किया।

ऑस्ट्रेलिया ने वनडे इतिहास का सबसे सफल रन चेज किया। भारत की ये लगातार दूसरी हार है। ऑस्ट्रेलिया की टीम तीसरा मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर पहुंच गई है।331 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की टीम को एलिसा हीली और लिचफील्ड ने दमदार शुरुआत दिलाई है। दोनों के बीच 85 रन की साझेदारी हुई। लिचफील्ड ने 39 गेंद में 6 चौके और एक छक्के की मदद से 40 रन बनाए। बेथ मूनी 8 गेंद में चार रन ही बना सकीं। सदरलैंड बिना खाता खोले आउट हुईं। एलिसा हीली 107 गेंद में 142 रन बनाकर पैवेलियन लौटीं। ताहिला मैकग्रा 8 गेंद में 12 रन ही बना सकीं। दीप्ति ने उन्हें आउट किया। एश्ले गार्डनर ने 46 गेंद में 45 रन बनाए। मॉलिन्यू ने 19 रन की पारी खेली। पेरी ने 52 गेंद में नाबाद 47 रन बनाए। किम गार्थ ने 14 रन बनाए। भारत की ओर से श्री चरणी ने 3, दीप्ति और अमनजोत ने 2-2 विकेट लिए।

गौफ ने जीता वुहान ओपन 1000 खिताब

पेगुला को सीधे सेटों में हराया

वुहान (चीन) 12 अक्टूबर. अमेरिकी टेनिस सनसनी कोको गौफ ने रविवार को वुहान ओपन के ऑल-अमेरिकन फ़ाइनल में अपनी पूर्व युगल साथी जेसिका पेगुला को 6-4, 7-5 से मात देकर अपने करियर का तीसरा डब्ल्यूटीए 1000 ख़िताब जीत लिया।

तीसरी वरीयता प्राप्त गौफ ने मध्य चीन के इस शहर में 1 घंटा 42 मिनट चले संघर्ष के बाद बिना कोई सेट गंवाए यह ट्रॉफी हासिल की।21 वर्षीय गौफ ने इस जीत के साथ हार्ड-कोर्ट फ़ाइनल में लगातार नौवीं जीत दर्ज करने वाली ओपन एरा की पहली खिलाड़ी बनकर इतिहास रच दिया। इस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन शानदार रहा; वह मात्र 16 गेम गंवाकर फ़ाइनल तक पहुँची थीं, जबकि छठी वरीयता प्राप्त पेगुला ने अपने पिछले सभी आठ मैचों में तीन सेटों के संघर्ष का सामना किया था।

भारत ने न्यूजीलैंड को हराया

सुल्तान ऑफ जोहोर कप में लगातार दूसरी जीत दर्ज

नई दिल्ली 12 अक्टूबर. भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को सुल्तान ऑफ जोहोर कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ 4-2 से आरामदायक जीत दर्ज करते हुए अपना अजेय क्रम बरकरार रखा। यह टूर्नामेंट में भारत की लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले, टीम ने अपने शुरुआती मैच में ग्रेट ब्रिटेन को 3-2 से हराया था।

दोनों टीमों के गोल स्कोरर

भारत के लिए अर्शदीप सिंह (दूसरा मिनट), पीबी सुनील (15वां), अरजीत सिंह हुंदल (26वां) और रोमन कुमार (47वां) ने गोल किए। न्यूजीलैंड के लिए गस नेल्सन (41वां) और एडन मैक्स (52वां) ने स्कोर किया।

मैच का घटनाक्रम

पहला क्वार्टर

भारतीय टीम के अर्शदीप सिंह ने दूसरे ही मिनट में न्यूजीलैंड के लचर बचाव का फायदा उठाते हुए रिबाउंड पर गोल कर भारत को बढ़त दिलाई। क्वार्टर के अंतिम मिनट में सुनील ने एक बेहतरीन पेनल्टी कॉर्नर वेरिएशन पर गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया।

दूसरा क्वार्टर

अरजीत सिंह हुंदल ने सर्किल में अनमार्क रहकर एक शानदार टर्नअराउंड शॉट से भारत की बढ़त को 3-0 तक पहुँचाया। न्यूजीलैंड ने तीसरे क्वार्टर में वापसी की कोशिश करते हुए नेल्सन के गोल से स्कोर 3-1 किया।

अंतिम क्वार्टर

रोमन ने 47वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को 4-1 की मजबूत स्थिति दी। न्यूजीलैंड के लिए मैक्स ने 52वें मिनट में एक और गोल किया, लेकिन भारतीय डिफेंस ने अंतिम मिनटों में कोई और मौका नहीं दिया और 4-2 से जीत सुनिश्चित की।

एक नजर में

विश्व नंबर 204 वाचेरोट ने शंघाई मास्टर्स जीता

शंघाई। टेनिस जगत को स्तब्ध करते हुए, विश्व रैंकिंग में 204वें नंबर के क्वाली?यर वैलेंटिन वाचेरोट ने रविवार को शंघाई मास्टर्स 1000 का खिताब अपने नाम कर लिया। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने फाइनल में अपने ही चचेरे भाई आर्थर रिंडरकनेश को हराया। मोनाको के 26 वर्षीय वाचेरोट ने फ्रांस के 54वीं रैंक वाले रिंडरकनेश को 4-6, 6-3, 6-3 से मात दी। इस जीत के साथ वाचेरोट एटीपी मास्टर्स 1000 के इतिहास में फाइनल जीतने वाले सबसे निचले रैंक के खिलाड़ी बन गए हैं। यह फाइनल टूर्नामेंट के इतिहास के सबसे अप्रत्याशित मुकाबलों में से एक था और यह केवल तीसरा मास्टर्स 1000 फाइनल था जिसमें दो अनसीडेड खिलाड़ी आमने-सामने थे।

मेसी की चमक से इंटर मियामी ने रौंदा अटलांटा को

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका)। अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनेल मेसी के शानदार प्रदर्शन (दो गोल और एक असिस्ट) की बदौलत इंटर मियामी ने शनिवार रात यहाँ अटलांटा यूनाइटेड को 4-0 से करारी शिकस्त दी। इस बड़ी जीत के साथ इंटर मियामी ने ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में कम से कम तीसरी वरीयता पक्की कर ली है।मेसी, जो एक रात पहले मियामी में हुए वेनेजुएला के खिलाफ अर्जेंटीना के दोस्ताना मुकाबले से बाहर रहे थे, ने अपने क्लब को जीत दिलाकर प्वाइंट्स टेबल पर एफसी सिनसिनाटी (62 अंक) के बराबर ला दिया है। मियामी के पास अब भी दूसरी वरीयता हासिल करने का मौका है। अंतर्राष्ट्रीय विंडो के चलते दोनों टीमें खिलाड़ियों की कमी से जूझ रही थीं, लेकिन क्लब के लिए खेलने का विकल्प चुनने वाले मेसी अब 26 गोल के साथ रूरू में शीर्ष स्कोरर बन गए हैं, जबकि उनके 18वें असिस्ट ने उन्हें सैन डिएगो के एंडर्स ड्रेयर के साथ लीग लीड के लिए बराबरी पर ला दिया है।

हालांड की हैट्रिक से नॉर्वे ने इजरायल हराया

बर्लिन। युवा सनसनी एरलिंग हालैंड की हैट्रिक के दम पर नॉर्वे ने 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में इजरायल पर 5-0 से बड़ी जीत दर्ज की। शनिवार को खेले गए इस मुकाबले के साथ नॉर्वे ने क्वालीफायर में अपनी लगातार छठी जीत दर्ज की और 1998 के बाद पहली बार विश्व कप में खेलने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। यह हालैंड के 46 अंतरराष्ट्रीय मैचों में छठी हैट्रिक है। इस शानदार जीत ने ग्रुप आई में नॉर्वे की स्थिति को और मजबूत कर दिया है। नॉर्वे अब 18 अंकों के साथ ग्रुप में शीर्ष पर है, जिससे दूसरे स्थान पर मौजूद इटली (12 अंक और एक मैच बाकी) पर भारी दबाव आ गया है। नवंबर में इन दोनों टीमों के बीच होने वाला मुकाबला इटली के लिए क्वालीफिकेशन की स्थिति बदलने का आखिरी मौका साबित हो सकता है। अन्य महत्वपूर्ण क्वालीफायर मैचों में, स्पेन और पुर्तगाल जैसे यूरोपीय दिग्गजों ने भी घरेलू जीत के साथ अपने अभियान को मजबूत किया। दोनों टीमों ने अपने शुरुआती तीन मैचों में नौ अंक हासिल करके शानदार शुरुआत की है.

मांडविया ने साई सोनीपत का किया निरीक्षण

एथलीटों से मुलाकात कर खेल विज्ञान और तकनीक के एकीकरण की सराहना की

सोनीपत 12 अक्टूबर. केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने आज भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, सोनीपत का दौरा किया। उन्होंने यहाँ चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों, बुनियादी ढांचे की प्रगति की समीक्षा की और केंद्र में मौजूद प्रशिक्षकों, एथलीटों तथा सहायक कर्मचारियों से सीधा संवाद किया।

दोपहर में साई केंद्र पहुँचने पर, वरिष्ठ अधिकारियों ने मंत्री का स्वागत किया और उन्हें सोनीपत परिसर की गतिविधियों, हालिया उपलब्धियों और भविष्य की परियोजनाओं के बारे में एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी। मंत्री मांडविया ने अपने दौरे की शुरुआत तीरंदाजी

उत्कृष्टता केंद्र के निरीक्षण से की। उन्होंने तीरंदाजों और उनके प्रशिक्षकों से बातचीत की, उनके समर्पण की सराहना की और ज़ोर दिया कि सरकार ज़मीनी स्तर पर प्रतिभाओं को निखारने के लिए वैज्ञानिक प्रशिक्षण विधियों को बढ़ावा देने हेतु प्रतिबद्ध है।इस दौरान, उन्होंने %एक पेड़ माँ के नाम% पहल के तहत वृक्षारोपण गतिविधि में भी भाग लिया।

"अपने दौरे में, मांडविया ने तीरंदाजी रेंज, कबड्डी कोर्ट, चिकित्सा केंद्र, कुश्ती हॉल, और खेल विज्ञान विभाग सहित स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग हॉल का भी अवलोकन किया। उन्होंने एथलीटों की तैयारी में प्रौद्योगिकी और खेल विज्ञान के एकीकरण की सराहना की। उन्होंने कहा कि नियमित स्वास्थ्य और प्रदर्शन मूल्यांकन एथलीटों के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।उन्होंने बहुउद्देश्यीय हॉल (एमपीएच) और आगामी उच्च-प्रदर्शन केंद्र (एचपीसी) का भी निरीक्षण किया।

एशियाई टीम टेबल टेनिस स्पर्धा

हांगकांग से हारा भारत

भुवनेश्वर, 12 अक्टूबर. भारत की पुरुष टेबल टेनिस टीम को रविवार को 28वीं आईटीटीएफ-एटीटीयू एशियाई टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में हांगकांग से 0-3 से हार का सामना करना पड़ा।विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर होने के बावजूद भारत पर छठे स्थान पर काबिज हांगकांग ने आसान जीत हासिल की।पिछले तीन चरण में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम को संघर्ष करना पड़ा।अब पांचवें स्थान के लिए क्लासिफिकेशन दौर में भारत का सामना कोरिया से होगा। विश्व रैंकिंग में 48वें स्थान पर काबिज वोंग चुन टिंग ने भारत के मानुष शाह को 11-5, 11-9, 13-11 से हराकर शानदार शुरुआत की। दूसरे मैच में भारत के सबसे अनुभवी खिलाड़ी मानव ठक्कर (विश्व नंबर 39) चैन बाल्डविन के खिलाफ दो गेम से पिछड़ने के बाद वापसी की लेकिन निर्णायक गेम में लड़खड़ा गए, जिससे हांगकांग को 2-0 की बढ़त मिल गई।

आईएसएसएफ शॉटगन में भारतीय निशानेबाज चूके फ़ाइनल

एथेंस 12 अक्टूबर. रविवार को यहाँ आयोजित आईएसएसएफ शॉटगन विश्व चैंपियनशिप में कोई भारतीय निशानेबाज पुरुषों या महिलाओं की व्यक्तिगत स्कीट स्पर्धाओं के फ़ाइनल में जगह नहीं बना सका।

महिला स्कीट में रायज़ा ढिल्लों ने 116 अंक बनाकर 16वां स्थान पाया

पुरुष स्कीट में भवतेग सिंह गिल 38वें, मैराज अहमद खान 53वें स्थान पर

महिला स्कीट में, रायज़ा ढिल्लों सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली भारतीय रहीं। उन्होंने 58 निशानेबाजों के बीच 125 में से 116 अंक बनाकर 16वें स्थान पर अपनी चुनौती समाप्त की। छह निशानेबाजों के फ़ाइनल में जगह बनाने के लिए कट-ऑफ स्कोर 119 था, जिससे रायज़ा सिर्फ तीन अंक पीछे रह गईं।

अन्य भारतीय खिलाड़ियों में, परीनाज़ धालीवाल और गनेमत सेखों ने समान 110-110 अंक बनाए और क्रमश: 44वें और 47वें स्थान पर रहीं। टीम स्पर्धाओं में भारत 12 भाग लेने वाले देशों में से आठवें स्थान पर रहा।

महिला स्कीट

महिला स्कीट फ़ाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली छह निशानेबाज थीं- समंथा सिमोंटन (अमेरिका), गैब्रिएला रोड्रिगेज़ (मेक्सिको), कॉन्स्टेंटिया निकोलाउ (साइप्रस), एम्मानुएला काट्ज़ौराकी (ग्रीस), जियांग यितिंग (चीन) और विक्टोरिया लार्सन (चीन)।

पुरुष स्कीट

पुरुषों की स्कीट स्पर्धा में, भवतेग सिंह गिल ने 125 में से 119 अंक हासिल किए और 116 प्रतिस्पर्धियों के मज़बूत क्षेत्र में 38वें स्थान पर रहे।अनुभवी निशानेबाज मैराज अहमद खान 117 अंक के साथ 53वें स्थान पर रहे, जबकि अनंत जीत सिंह नरुका ने 115 अंकों के साथ 83वां स्थान प्राप्त किया।पुरुषों के फ़ाइनल के लिए कट-ऑफ स्कोर 122 रहा। इस वर्ग में भारत की पुरुष टीम 27 देशों में से 16वें स्थान पर रही।

जू. बैडमिंटन विश्व स्पर्धा , आज से व्यक्तिगत मुक़ाबले होंगे शुरू

तन्वी और उन्नति से स्वर्ण की उम्मीदें

गुवाहाटी 12 अक्टूबर. बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) जूनियर विश्व चैंपियनशिप में भारत की निगाहें अब व्यक्तिगत मुक़ाबलों पर टिकी हैं, जो सोमवार से यहाँ शुरू हो रहे हैं। भारतीय टीम ने पिछले सप्ताह सुहानदीनाता कप के मिश्रित टीम इवेंट में ऐतिहासिक पहला कांस्य पदक जीतकर आत्मविश्वास बढ़ा लिया है।

व्यक्तिगत स्पर्धाओं में पदक की उम्मीदें अवास्तविक नहीं हैं, क्योंकि भारत के नाम जूनियर विश्व चैंपियनशिप में अब तक एक स्वर्ण, चार रजत और छह कांस्य पदक दर्ज हैं।

महिला सिंगल्स में भारत की मज़बूत दावेदारी

मेज़बान देश को सबसे ज़्यादा उम्मीदें महिला सिंगल्स से हैं। शीर्ष वरीयता प्राप्त तन्वी शर्मा, जो एशियाई जूनियर चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता हैं, इस सीज़न में पहले ही यूएस ओपन (सीनियर) में उपविजेता रहकर अपनी क्षमता दिखा चुकी हैं। वहीं, आठवीं वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा ने भी सीनियर सर्किट पर अपना दम दिखाया था, जब वह सुपर 1000 इवेंट चाइना ओपन के क्वार्टर फाइनल तक पहुँची थीं। ड्रा के विपरीत हिस्सों में रखी गई इन दोनों खिलाड़ियों को पहले दौर में बाई मिली है। वे सायना नेहवाल की उपलब्धि को दोहराने की कोशिश करेंगी, जिन्होंने 2008 में पुणे में स्वर्ण पदक जीता था। दसवीं वरीयता प्राप्त रक्षिता श्री संतोष रामराज भी सीधे राउंड ऑफ़ 64 से अपना अभियान शुरू करेंगी। इनके अलावा, एशियाई जूनियर चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता वेन्नला कालागोटला भी भारतीय चुनौती पेश करेंगी।

पुरुष सिंगल्स और डबल्स

पुरुष सिंगल्स में, रायपुर के 18 वर्षीय शटलर और 11वीं वरीयता प्राप्त रौनक चौहान भारतीय दल का नेतृत्व कर रहे हैं। इस लाइनअप में सूर्याक्ष रावत, टनकारा ज्ञाना दत्तू तालसिला और हमार लालथाजुआला भी शामिल हैं। संभावना है कि लालथाजुआला का मुक़ाबला राउंड ऑफ़ 32 में शीर्ष वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के मोहम्मद ज़ाकी उबैदिल्लाह से हो सकता है। वहीं, ज्ञाना दत्तू और सूर्याक्ष के बीच इसी चरण में एक ऑल-इंडियन मुक़ाबला देखने को मिल सकता है। इस वर्ग में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2015 में सिरिल वर्मा और 2022 में शंकर मुथुसामी के रजत पदक रहे हैं। डबल्स में भारत अब तक एक भी पदक नहीं जीत पाया है, लेकिन इस बार टीम में कुछ मज़बूत जोड़ियाँ हैं। लड़कों के डबल्स में पूर्व विश्व नंबर 1 जोड़ी भार्गव राम अरिगेला और विश्व तेज गोब्बुरू पर नज़र रहेगी.